GOKULDHAM HIGH SCHOOL & JR. COLLEGE
II PRELIMINARY EXAMINATION- 2015-16
SUBJECT : HINDI (II)

कक्षा: X — पूर्णांक: 80

दिनांक: 05/01/2016 — समय :3 Hrs.

HINDI

(Three Hours)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises two sections: Section A and Section B
Attempt all the questions from Section A.
Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

विभाग 'अ' Section A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1:-

प्रश्न क्रमांक:-

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:- (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त निबंध या प्रस्ताव लिखिए।

(i) 'अच्छे पड़ोसी बड़े भाग्य से मिलते हैं' इस कथन के आधार पर अपने पड़ोसी के अच्छे गुणों का वर्णन कीजिए।

(ii) 'घर की चहारदीवारी से बाहर निकलकर प्रगति की दुनिया में नारी के बढ़ते कदम' परिवार व बच्चों के लिए उचित या अनुचित? इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

(iii) आज महँगाई ने पूरी तरह से अपना पाँव पसार लिया है, जिससे आम जनता परेशान है इसके प्रमुख कारण व निवारण के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दीजिये।

(iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित सूक्ति हो - एक हाथ से ताली नहीं बजती।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिये और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा एक कहानी लिखिए जिस का सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Scanned by CamScanner

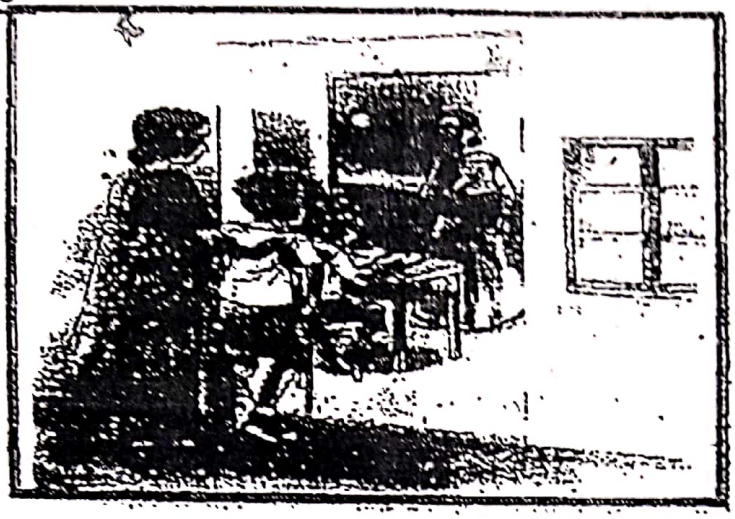

Question 2:-

प्रश्नविभाग २:-

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए। (२)

(i) वाहनों की तेज़ रफ़्तार कम करने के लिए स्कूल के पास स्पीडब्रेकर की आवश्यकता बताते हुए नगर-निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।

OR अथवा

(ii) ज्वाय ऑफ़ गिविंग दान उत्सव का महत्त्व बताते हुए चाचाजी को पत्र लिख कर बताइये कि आपने अपने विद्यालय में यह उत्सव कैसे मनाया?

Question 3:-

प्रश्नविभाग ३:-

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथा संभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

इतिहास साक्षी है कि एकता के अभाव का दुष्परिणाम कितना भयानक होता है। कौरव और पांडवों की आपसी फूट के कारण इतना बड़ा महाभारत हुआ जिसे सारा संसार जानता है। दुराचारी रावण भी शायद ही पराजित होता, यदि अपने अनुज विभीषण को लात मारकर अपने से अलग नहीं करता। भारत के पराधीन होने का कारण भी कुमति ही था। कुमति से कलह की उत्पति हुई। इससे एकता की भावना नष्ट हो गयी। स्वार्थ का राज्य सर्वत्र व्याप्त हो गया, जिसके फलस्वरूप भारतवासियों को कई सौ वर्षों तक दासता की यातनाएँ झेलनी पड़ी। सुमति के परिणामस्वरूप ही हम स्वतंत्र हुए तथा विविध योजनाओं को क्रियान्वित कर देश को समृद्धिशाली बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

एकता से सभी प्रकार की बुराइयों को दूर किया जा सकता है। जिस प्रकार एक सींक से झाड़ू नहीं बनाया जा सकता, परन्तु अनेक सींकों को मिलाकर झाड़ू बना देने पर घर का समस्त कूड़ा - कचरा बाहर फेंका जा सकता है, उसी प्रकार यदि सुमति से काम लिया जाए, तो देश की राष्ट्रीय भावना को शक्ति मिलेगी ; जिससे

108

Scanned by CamScanner

देश की समस्त बुराइयों को दूर कर सकते हैं। जिस मानव या समाज के जीवन में राग, द्वेष, कलह आदि रहते हैं, उससे सुख और शांति सदा के लिए विदा हो जाते हैं।

एक उदाहरण है - किसी नगर में एक बहुत बड़ा धनवान रहता था। एक रात लक्ष्मी जी ने उसे स्वप्न में दर्शन दिए और कहा, "अब तुम्हारे पुण्य पूरे होने वाले हैं, चूँकि मेरा स्वभाव चलायमान है, इसलिए मैं कहीं भी ज्यादा समय तक नहीं रुकती, अतः मैं अब तुम्हारे पास से जाने वाली हूँ। जो कुछ वरदान माँगना हो, माँग लो।" वह धनवान व्यक्ति बड़ा समझदार था। वह बोला, "माँ पहले अपने परिवार के लोगों से पूछ लूँ। यदि आप कल पुनः दर्शन दें तो बड़ी कृपा होगी।" 'तथास्तु' कहकर लक्ष्मी जी चली गयीं।

प्रातःकाल होने पर उस धनवान ने अपने परिवार के सभी सदस्यों को एकत्र किया और अपने सपने के बारे में चर्चा की। बस, फिर क्या था! हर सदस्य अपनी - अपनी जरूरतों की फ़रमाइश करने लगा। किसी ने सोना - चाँदी और गहने, किसी ने गाड़ी - बँगला, तो किसी ने खूब धन - दौलत माँगने के लिए कहा। परंतु उस धनवान के बड़े बेटे की बहू अत्यंत विदुषी, चतुर व समझदार थी। वह अपने ससुर से बोली, "पिताजी, यदि आपने ये सब चीजें माँग लीं तो लक्ष्मी हमारे घर टिकेंगी नहीं और जब लक्ष्मी जी ही यहाँ नहीं रहेंगी तो भला ये सब धन - सम्पत्ति, गहने आदि कैसे टिक पाएँगे? सब कुछ लक्ष्मी का ही तो स्वरूप है।"

"तब फिर क्या किया जाए?" ससुर जी ने पूछा। तब उस धनवान के बेटे की बहू ने कहा, "आप लक्ष्मी जी से यह वर माँग लीजिए कि मेरे परिवार में परस्पर प्रेम - भाव बना रहे और यदि हम सबका एक - दूसरे पर प्रेम और विश्वास बना रहेगा, तो विपत्ति का यह समय आसानी से कट जाएगा।" धनवान को बहू की बात जँच गयी। दूसरी रात जब लक्ष्मी जी पुनः उसके सपने में पधारीं, तब उसने यही वर माँगा - "लक्ष्मी जी! मेरे कुटुंब में प्रेम - भावना और विश्वास सदैव बना रहे। बस, मुझे यही चाहिए।" धनवान की यह बात सुनकर लक्ष्मी जी बहुत प्रसन्न हुईं और बोलीं - "यह वरदान माँगकर तुमने तो मुझे ही बाँध लिया है। जिस कुटुंब के लोगों में परस्पर प्रेम है, विश्वास है, संतोष है - मैं उस परिवार को छोड़कर नहीं जा सकती। अब मैं सदा के लिए यहीं रहूँगी।"

लक्ष्मी जी ने आगे कहा, "जानते हो मेरा निवास स्थान कहा है?" जहाँ गुरुओं का आदर सत्कार किया जाता है, जहाँ दूसरों के साथ सभ्य व्यवहार किया जाता है, जहाँ लोग परिवार में कलह नहीं करते, जहाँ एक - दूसरे के प्रति क्रोध आने पर भी शांत रहते हैं, मैं ऐसे घर - परिवार में प्रसन्न होकर खूब रहती हूँ, क्योंकि वहाँ मुझे चैन मिलता है, अच्छा लगता है।" इसीलिए कहा भी गया है - "जहाँ सुमति तहँ सम्पति नाना"

प्रश्न :

१) एकता के अभाव में क्या - क्या दुष्परिणाम दिखाई पड़ते हैं? (२)

२) लक्ष्मी जी ने धनवान व्यक्ति से स्वप्न में आकर क्या कहा और व्यक्ति ने इसका क्या उत्तर दिया? (२)

३) धनवान व्यक्ति की बहू कैसी थी? उसने लक्ष्मी जी से क्या वरदान माँगने का सुझाव अपने ससुर को दिया? (२)

४) लक्ष्मी जी ने अपना निवास स्थान कहाँ - कहाँ बताया? (२)

५) इस गद्यांश का शीर्षक बताते हुए इससे मिलने वाली सीख अपने शब्द में लिखिए। (२)

Scanned by CamScanner

Question 4:-

प्रश्न विभाग 4:-

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

(i) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए :- (1)

उपेक्षा, प्रदेश।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

सुगंध, दरिद्र।

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- (1)

संघटन, प्रत्यक्ष, कीर्ति अपव्ययी

(iv) भाववाचक संज्ञा बनाइए :- (1)

व्यक्ति, मूर्ख

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

ज्ञान के लाले पड़ना, सिर नीचा होना।

(vi) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :- (3)

(i) यह पुस्तक मेरी है। (वचन बदलिए)

(ii) कम बोलनेवाला बालक सबको अच्छा लगता है।

(रेखांकित शब्द-समूहों के लिए एक शब्द लिखिए।)

(iii) बच्चों के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है। (वाच्य बदलिए)

विभाग 'ब' SECTION B (40 Marks)

Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

सूचना :- पाठ्यपुस्तक 'गद्यसंकलन' और 'चन्द्रगुप्त' में से एक-एक प्रश्न विभाग करना अनिवार्य है।

गद्य-संकलन

Question 5:-

प्रश्न विभाग 5:-

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

Scanned by CamScanner

इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में हलचल मचा दी। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे।

- परीक्षा -

लेखक: मुंशी प्रेमचंद

(i) विज्ञापन ने मुल्क में हलचल क्यों मचा दी? उसमें क्या लिखा था? (2)

(ii) बूढ़ा जौहरी किसे और किस संदर्भ में कहा गया है? उसका परिचय दीजिए। (2)

(iii) किसान किस विपत्ति में फँसा था? उसकी मदद किसने और कैसे की? (3)

(iv) दीवानी की परीक्षा में कौन सफल हुआ? उसके मुख्य गुणों का वर्णन कीजिए। (3)

Question 6:-

प्रश्न विभाग ६:-

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

रोहिणी का अनुमान ठीक निकला। अब तो वह उससे और भी कुछ बातें पूछने के लिए अस्थिर - अधीर हो उठी।

-मिठाईवाला -

लेखक : 'भगवती प्रसाद वाजपेयी'

(i) रोहिणी कौन थी? उसने मिठाई वाले से क्या पूछा? (2)

(ii) मिठाईवाले ने अपने मिठाई की प्रशंसा करते हुए क्या कहा? (2)

(iii) मिठाईवाले को अपने व्यवसाय से क्या मिलता था? उसने रोहिणी को अपने बारे में क्या बताया? (3)

(iv) 'मिठाईवाला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (3)

Question 7:-

प्रश्न विभाग ७:-

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

"चाचाजी क्षमा कीजिए। इस विषय में मैं आप से विवाद करना नहीं चाहता।"

- उसकी माँ -

लेखक :पांडेय बेचन शर्मा

(i) इस कथन का वक्ता कौन है? वह श्रोता को क्या समझाना चाहता है? (2)

(ii) लाल और उसके मित्रों पर सरकार की ओर से क्या-क्या आरोप लगाए गए थे? (2)

(iii) लाल के मित्र ने जानकी की तुलना भारत माँ से किस प्रकार की? जानकी के गुणों का वर्णन कीजिए। (3)

(iv) 'उसकी माँ' कहानी का उद्देश्य पाठ के आधार पर लिखिए। (3)

Scanned by CamScanner

Question 8:-
प्रश्न विभाग 8:-
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-
'अहा-हा-हा! देखा महामंत्री। एक पखवाड़ा बीत गया लेकिन शकों को नदी पार करने की हिम्मत आज तक नहीं हुई।'

(i) रामगुप्त ने अपनी सेना का पड़ाव कहाँ डाला? और क्यों? (2)
(ii) युद्ध के बारे में रामगुप्त के क्या विचार थे? (2)
(iii) चन्द्रगुप्त को क्यों और कब बुलाना आवश्यक हो गया? उसे कौन बुलाना नहीं चाहता था? (3)
(iv) चन्द्रगुप्त सभा में मौन क्यों बैठा था? ध्रुवस्वामिनी की किन बातों ने उसे झिंझोड़ दिया? (3)

Question 9:-
प्रश्न विभाग 9:-
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-
'एक बार महादेवी के पिता से युद्ध करते समय भी हमने इसी उपाय से काम लिया था। याद है न महाराज!'

(i) वीरसेन कौन है? वह किस प्रसंग में यह बात कर रहा है? (2)
(ii) महादेवी के पिता से किसका युद्ध हुआ था? उसका क्या फल मिला? (2)
(iii) समुद्रगुप्त ने क्या घोषणा की थी? उसे किसने नहीं माना और क्यों? (3)
(iv) 'चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य' के आधार पर चन्द्रगुप्त के गुणों को बताते हुए स्पष्ट कीजिये कि चन्द्रगुप्त एक सफल सम्राट ही नहीं एक कुशल सेनापति भी थे? (3)

Question 10:-
प्रश्न विभाग 10:-
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-
'सम्राट समुद्रगुप्त की विजयी सेना को रुद्रसिंह ने मालवा में प्रवेश तक न करने दिया था। इसका उसे बहुत गर्व है। हम इस बार उसके इस अभिमान को धूल में मिला देंगे।'

(i) मगध लौटने पर चन्द्रगुप्त का स्वागत किस प्रकार किया गया? (2)
(ii) चन्द्रगुप्त कहाँ से और क्या महत्वपूर्ण कार्य करके लौटे थे? (2)
(iii) शकों ने अपने भारतीय होने का क्या-क्या प्रमाण दिया? (3)
(iv) चन्द्रगुप्त ने मालवा गुजरात और सौराष्ट्र पर आक्रमण करने की क्या योजना बनायी? वे रुद्रसिंह से ही युद्ध क्यों करना चाहते थे? (3)

Scanned by CamScanner